फर्स्ट कॉलम

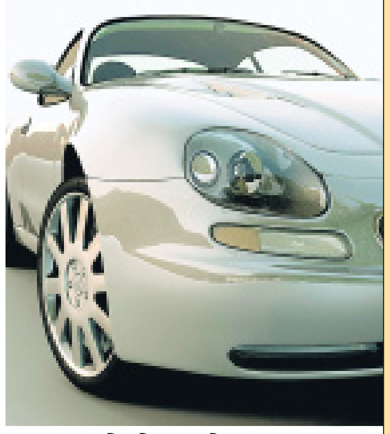

कार, ऐसे करें साकार

ध्यान दें तो बचत ही बचत

अगर इस दिवाली पर कार खरीदने जा रहे हैं तो बेहतर डील से आपका पैसा काफी हद तक बच सकता है। इन बातों पर ध्यान दें–

जिस कंपनी से कार खरीद रहे हैं, उसके डीलर से सबसे पहले यह पता करें कि किस वर्ग के लिए क्या-क्या छूटें उपलब्ध हैं। जैसे सरकारी और कारपारेट कर्मचारियों के लिए अमूमन कार कंपनियां पांच से दस हजार रुपए की छूट देती हैं।

माय व्हील

जिस डीलर से आप कार खरीदने के बारे में बातचीत कर रहे हैं, उसे यह संकेत देना नहीं भूलें कि आप अन्य डीलर से भी बातचीत करने के इच्छुक हैं और वहीं से वाहन खरीदेंगे जो ज्यादा फायदा देगा।

आजकल कंपनियों की सख्ती के चलते डीलर एक्स शोरूम कीमत में कोई छूट नहीं दे पाते। लेकिन इसका भी रास्ता है। एसेसरी पर मोल-भाव करें। अगर एक डीलर 10 फीसदी तक की छूट दे रहा है तो दूसरे डीलर को उस बारे में जरूर बताएं। बहुत संभव है वह आपको उसके अधिक छूट देने का ऑफर कर दें।

क्लिकेबल ब्लैकबेरी

स्टार्म 9530

रिम और वेरीजोन ने मिलकर ऐसा ब्लैकबेरी मोबाइल फोन बाजार में उतारने की घोषणा की है जिसमें 'क्लिकेबल' टचस्क्रीन का इस्तेमाल किया गया है। स्टॉर्म 9530 नामक इस मॉडल में स्क्रीन को छूते ही ऐसा आभास होगा मानो आपने 'क्लिक' की आवाज के साथ कोई बटन दबाया हो। 360 गुना 480 रिजोल्यूशन की यह 3.5 इंची रंगीन टचस्क्रीन ग्लास से बनाई गई है। फोन में मल्टीमीडिया के अन्य फीचर्स के अलावा 3.2 मेगापिक्सल का आटोफोकस कैमरा और साथ ही 3.5 एमएम का हेडफोन जैक भी दिया गया है। इसका लुक अन्य ब्लैकबेरी फोन से थोड़ा अलग है, लेकिन अन्य कई फीचर्स में समानता है। इसकी कीमत की घोषणा अभी नहीं की गई है।

माय मोबाइल

एफडी में फायदा

एसबीआई/देना बैंक ने बढ़ाई ब्याज दरें

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट (एसबीआई) ने 1,000 दिनों की अवधि की सावधि जमाओं (एफडी) के लिए ब्याज दर में एक फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। अब दर 10.5 फीसदी होगी। इसी अवधि में वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज दर 11 फीसदी की गई है। इसके अलावा अन्य किसी अवधि के लिए ब्याज दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

माय बैंक

इसी प्रकार देना बैंक में 700 दिन की सावधि जमाओं के लिए 10.25 फीसदी ब्याज दिया जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों को 0.50 फीसदी का अतिरिक्त ब्याज दिया जाएगा जो 10.75 फीसदी होगा।

ताकि न जलें हाथ

इन्वेस्टिंग अंडर फायर

भारत सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में बुरी तरह से अस्थिरता छाई हुई है। ऐसे में एलन आर. एकरमैन द्वारा संकलित किताब 'इन्वेस्टिंग अंडर फायर' उन निवेशकों के लिए लाभदायक साबित हो सकती है जो बाजार में अपने हाथ जला चुके हैं। इसमें शेयर बाजार व म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री से जुड़े कई विशेषज्ञों जैसे जेम्स आवाड, जॉन बोगले, क्रेग ब्रिमहाल, जीन बटनर, बिल नायग्रेन इत्यादि को एक साथ पेश किया गया है। इन बाजार गुरुओं की विशेषज्ञ सलाह एक ही किताब में प्रस्तुत करना वैसे ही है, जैसे एक छत के नीचे सारी सुविधाएं जुटाना। जाहिर सी बात है निवेशकों के लिए तो गागर में सागर के समान है यह पुस्तक। विशेषज्ञ निवेश के लाभदायक विकल्प चुनने और जोखिम को नियंत्रण में रखने के कई गुर सिखाते नजर आते हैं। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में प्रोफेसर लिन शार्प पेन ने इसे 'कलात्मक ढंग से संकलित किताब' करार दिया है।

माय बुक

संकलक एलन आर. एकरमैन
पेज 248 कीमत 395 रुपए

दिवाली खासकर धनतेरस के अवसर पर हर व्यक्ति सोना या चांदी जरूर खरीदता है, क्योंकि ऐसा करना शुभ माना जाता है।

खरीदी लाभदायक भी हो, इसके लिए जरूरत यह समझने की है कि सोना किस रूप में खरीदा जाए।

सिक्कों या बिस्कुट में निवेश कहीं अधिक लाभ दिलाएगा।

शुभ-लाभ सोना

माय इन्वेस्टमेंट

राग वामदत्त

इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय सोने के प्रति कुछ ज्यादा ही क्रेजी हैं। इसमें गलत भी कुछ नहीं है। बुरे वक्त में सोना काम आता है। हमारे यहां सोने का संबंध निवेश के साथ-साथ सुंदरता से भी जोड़ा जाता है। इसलिए अक्सर ज्वेलरी के रूप में ही इसकी खरीदी ज्यादा होती है। लेकिन अगर मकसद केवल धनतेरस के अवसर पर प्रतीकात्मक रूप से सोना खरीदना है तो दूसरे विकल्प भी मौजूद हैं ताकि वह भविष्य में निवेश का भी काम कर सके।

बैंकों से सिक्के-बिस्किट खरीदें

लाभ बैंक सबसे विश्वसनीय स्रोत से सोना खरीदते हैं। इसलिए सोने की शुद्धता व वजन को लेकर आप निश्चिंत रह सकते हैं। इसके लिए बैंक शुद्धता का प्रमाण-पत्र भी देते हैं।

हानि बैंक 10 से 15 फीसदी प्रीमियम लेते हैं। यानी बाजार भाव की तुलना में बैंकों से खरीदा गया सोना 10 से 15 फीसदी ज्यादा कीमत पर मिलेगा। इसके अलावा बैंक इसे आपसे वापस नहीं खरीदते। यानी इसे आपको बाजार में ही मौजूदा कीमतों पर बेचना पड़ेगा। ऐसे में प्रीमियम की वजह से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सलाह शुद्धता को लेकर अगर-मगर नहीं चाहते तो आपके लिए बैंक सर्वश्रेष्ठ है, लेकिन शुद्धता के प्रमाण-पत्र के लिए यह एक महंगा सौदा तो है ही।

ज्वेलर से सिक्के-बिस्किट खरीदें

लाभ मौजूदा बाजार भाव पर ही आपको सोना मिल जाएगा। इसके अलावा आप जब भी चाहेंगे, आपका ज्वेलर उस समय के भाव में उसे वापस खरीद भी लेगा।

हानि शुद्धता की कोई विशेष गारंटी नहीं दी जा सकती। यह गारंटी केवल ज्वेलर की विश्वसनीयता पर निर्भर करेगी।

सलाह जहां तक कीमत का सवाल है, ज्वेलर से सोना खरीदना बैंकों की तुलना में बेहतर विचार है, लेकिन खरीदी से पहले ज्वेलर की विश्वसनीयता की पुष्टि जरूर कर लें।

क्या खरीदें ज्वेलरी?

मैकिंग चार्ज प्रत्येक ज्वेलरी को बनाने में मैकिंग चार्जेस लिए जाते हैं जो सोने की कुल कीमत का 10 फीसदी तक होता है। यानी अगर आपने 10 हजार रुपए का सोना खरीदा है तो आपके हाथ तो केवल 9 हजार रुपए का ही सोना लगेगा। तो आपके निवेश में पहले दिन से ही एक हजार रुपए की कमी हो गई।

मेल्टिंग लॉस जब ज्वेलरी बेचने जाएंगे तो मेल्टिंग चार्ज या मेल्टिंग लॉस के रूप में फिर नुकसान उठाना पड़ेगा। यह 5 फीसदी तक हो सकता है।

कम शुद्धता ज्वेलरी में उपयोग किया जाने वाला सोना 22 कैरेट या इससे भी कम होता है।

लेखक बिजनेस एनालिस्ट और वेबसाइट www.raagvamdatt.com के सलाहकार हैं।

भारतीयों के पास जितना सोना है, वह अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी की सरकारों द्वारा रखे गए सोने से भी ज्यादा है।

विश्व में सोने की कुल वार्षिक मांग में से 18 फीसदी मांग भारत में पैदा होती है।

एंटीक इन्वेस्टमेंट

दिवाली पर शगुन के तौर पर चांदी के सिक्के खरीदने की परम्परा रही है, लेकिन आप निवेश की दृष्टि से एंटीक सिक्कों में भी हाथ आजमा सकते हैं। सिक्के जितने पुराने होते जाते हैं, कीमत उतनी ही बढ़ती जाती है। इस दिवाली पर ये सिक्के खरीदकर आने वाली दिवाली रोशन करें...

कितने कीमती?

इनकी कीमत के निर्धारण में दो तथ्य काम करते हैं। एक, प्राचीनता और दूसरा, इसमें इस्तेमाल की गई धातु। ई-बे साइट पर नीलामी के लिए उपलब्ध दो सिक्कों की तुलना से स्थिति साफ हो जाएगी। मैसूर राज्य के टीपू सुल्तान कालीन करीब 225 साल पुराने 3.34 ग्राम वजनी स्वर्ण सिक्के की कीमत 4,850 रुपए है, जबकि करीब 1700 साल पुराने 7.91 ग्राम सोने के सिक्के की कीमत 42,000 रुपए हैं। इस प्रकार दूसरा सिक्का वजन में पहले सिक्के के मुकाबले केवल दुगुना है, लेकिन प्राचीन होने की वजह से आठ गुना तक महंगा है। कई बार तांबे का बेहद पुराना सिक्का चांदी के हाल ही के सिक्के से महंगा हो सकता है।

कैसे खरीदें, बेचें?

प्रतिष्ठित वेबसाइट्स, नीलामी घरों या सिक्कों के विश्वसनीय संग्रहकर्ताओं से ही इनकी खरीदी करें। एंटीक सिक्कों की बिक्री भी वेबसाइट्स के जरिये की जा सकती है। कई नीलामी घर भी समय-समय पर प्राचीन सिक्कों की नीलामी करते हैं जिनमें कई बार आश्चर्यजनक कीमत मिल जाती है।

निवेश के रूप

» मकसद शरीर पर धारण करने का शौक पूरा करना है तो आभूषण खरीदे जा सकते हैं।

» मकसद आभूषण बनाना है तो बिस्किट या गिन्नियों के रूप में बैंक से खरीदें क्योंकि सोने की शुद्धता की 100 फीसदी गारंटी होती है।

» मकसद भविष्य में बेचकर लाभ कमाना है तो बिस्किट या गिन्नियों के रूप में खरीदें।

» मकसद दीर्घावधि तक धीरे-धीरे निवेश करना है तो ईटीएफ गोल्ड में निवेश करें। इन्हें शेयर बाजार के जरिये हासिल कर सकते हैं।

देश में सोने की कुल मांग का 73 फीसदी ज्वेलरी में है।

आभूषण बनाना है तो बिस्किट या गिन्नियों के रूप में बैंक से खरीदें क्योंकि सोने की शुद्धता की 100 फीसदी गारंटी होती है।

निवेश का तोहफा

माय प्लानिंग

उपहार देने के लिए दिवाली से अच्छा मौका और क्या होगा।

इस अवसर पर आप अपने प्रियजनों को उपहार देकर न केवल खुश कर सकते हैं, बल्कि उनके भविष्य को भी संवार सकते हैं।

ऐसा करने के लिए आपको चुनने होंगे ऐसे तोहफे जो निवेश के भी माध्यम बने सकें।

निधि वर्मा

हमारे यहां त्योहारों पर उपहार देने की परम्परा रही है, फिर चाहे वह उपहार बेटा अपने पिता को दें या फिर पति अपनी पत्नी को। यह सच है कि उपहार की कोई कीमत नहीं होती, लेकिन फिर भी इनके मायने तब और भी बढ़ सकते हैं, यदि वे भविष्य को संवारने वाले हों, यानी निवेश के रूप में हों। दिवाली के मौके पर मैं ऐसे ही कुछ तोहफे सुझा रही हूं जो निवेश के भी अच्छे इंस्ट्रूमेंट्स साबित होंगे। वैसे इनसे जुड़ी टैक्स जटिलताओं के बारे में किसी टैक्स प्रैक्टीशनर्स से सलाह जरूर कर लें।

एनएससी

अपने प्रियजन के नाम पर नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) खरीद सकते हैं। अगर आप 1,000 रुपए मूल्य का एनएससी उपहार में देते हैं तो छह साल बाद उसका मूल्य बढ़कर 1,600 रुपए हो जाएगा।

मनी बैक पॉलिसी

कई बीमा कंपनियां एक निश्चित अवधि के लिए मनी बैक पॉलिसी प्रदान करती हैं। यह भी एक अच्छा निवेश उपहार हो सकता है, जो एक हद तक बीमा कवर भी मुहैया करवाएगा।

गोल्ड ईटीएफ

यदि आप अपने परिजन को उपहार के रूप में सोना देना चाहते हैं तो स्वर्ण आभूषणों के अलावा भी इसका एक तरीका है- गोल्ड ईटीएफ। गोल्ड ईटीएफ एक तरह से म्यूचुअल फंड स्कीम की तरह काम करते हैं। इनकी एक यूनिट एक ग्राम सोने के बराबर होती है। जैसे-जैसे सोने की कीमत बढ़ेगी, गोल्ड ईटीएफ की यूनिट की कीमत भी बढ़ती जाएगी। हालांकि इसमें निवेश आपको अपने नाम पर ही करना होगा। आप इतना कर सकते हैं कि जब भी आपका प्रियजन चाहे, यूनिट्स को समर्पित कर दें और उसके बदले में सोना ले लें। इसमें प्राप्त सोना बिल्कुल शुद्ध होगा।

- आयकर अधिनियम की धारा 56(2)(4) के तहत किसी व्यक्ति द्वारा अपने रिश्तेदार को दिया गया उपहार पूरी तरह से करमुक्त है।
- लेकिन इनकम टैक्स की धारा 64 (1) के अनुसार यदि आप अपनी पत्नी को कोई तोहफा देते हैं तो उससे अर्जित आय आपकी आय में जुड़ेगी। शेयर या मकान ऐसे ही तोहफे हो सकते हैं।
- यदि आप अपनी शादीशुदा बहन या बेटी को कोई उपहार देते हैं तो ऐसी स्थिति में उस उपहार से अर्जित आय आपकी आय में नहीं जुड़ेगी।

कीमती रत्न

हीरा, माणिक, मोती, नीलम के रूप में भी उपहार दे सकते हैं। ये भी भविष्य में अच्छी कीमत देते हैं। अगर आप अपनी पत्नी को कोई यादगार तोहफा देना चाहते हैं तो सोने की जरी लगी साड़ी दे सकते हैं। भविष्य में यही साड़ी निवेश का काम करेगी।

पेंटिंग्स

यदि आपके किसी प्रियजन की कला में रुचि है तो उसे कलात्मक पेंटिंग्स तोहफे में दे सकते हैं। आधुनिक जमाने में पेंटिंग्स निवेश का बेहतरीन साधन हैं, लेकिन इस बात की तस्दीक जरूर कर लें कि पेंटिंग्स का निवेश वैल्यू या नहीं और है तो कितना है।

आवास

इससे बड़ा तोहफा क्या होगा? उपहार के साथ-साथ यह निवेश का सर्वोत्तम माध्यम साबित होगा। साथ ही इसके जरिये टैक्स की बचत अलग से होगी।

लेखिका फिन आप्शंस, भोपाल में प्रोडक्ट मैनेजर हैं।

कहीं नहीं जाएगा आपका धन

माय इंश्योरेंस

निताशा जोशी

क्या आप उन खबरों से परेशान हैं जो अमेरिका से वहां के बैंकों के दिवालिये होने को लेकर आ रही हैं? या फिर उन अफवाहों से चिंतित जो हमारे देश में एक निजी बैंक की आर्थिक स्थिति को लेकर लगातार उड़ रही हैं? चिंता यह है कि किसी दिन आपका बैंक भी दिवालिया हो गया तो जमा-पूंजी का क्या होगा? तो आपको ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। बैंक के दिवालिया या बंद हो जाने पर भी पैसा कहीं नहीं जाने वाला है। पैसे का भुगतान रिजर्व बैंक के तहत कार्यरत 'डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कार्पोरेशन' (डीआईसीजीसी) करेगा। देश के प्रत्येक बैंक को खातों का बीमा करवाना अनिवार्य है, फिर चाहे सरकारी बैंक हों या सहकारी या फिर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक या निजी क्षेत्र के बैंक।

क्या होगा यदि...

एक से अधिक खाते– सभी खातों की राशि को मिलाकर गणना की जाएगी। यानी एक लाख रुपए से अधिक राशि नहीं मिलेगी।

संयुक्त खाते– यदि किसी व्यक्ति का अपनी पत्नी या किसी अन्य के साथ संयुक्त खाता हो तब भी एक लाख रुपए की ही राशि मिलेगी।

एक व्यक्तिगत व एक संयुक्त खाता– ऐसी स्थिति में व्यक्तिगत खाता व संयुक्त खाते का बीमा अलग-अलग होगा। यानी दोनों खातों में एक-एक लाख रुपए तक की राशि वापस की जाएगी।

अलग-अलग संयुक्त खाते– तब भी प्रत्येक संयुक्त खाते का बीमा अलग-अलग होगा। यानी दोनों खातों में एक-एक लाख रुपए तक की राशि वापस की जाएगी।

एक ही जोड़ीदार के अधिक संयुक्त खातें– ऐसी स्थिति में सभी खातों का एक ही बीमा होगा, यानी एक लाख रुपए से अधिक राशि नहीं मिलेगी।

क्या होगी प्रक्रिया?

बैंक के दिवालिया या बंद हो जाने के बाद लिक्विडेटर (बैंक कार्यों का निस्तारणकर्ता) डीआईसीजीसी को उन लोगों की सूची भेजेगा जिनके बैंक में खाते हैं। यह सूची मिलते ही डीआईसीजीसी दो माह के भीतर खाताधारक को उसका पैसा वापस कर देगा।

कितना पैसा मिलेगा?

यहां पर एक सीमा तय की गई है। मूलधन और ब्याज मिलाकर अधिकतम एक लाख रुपए तक की राशि ही खाताधारक को मिल पाएगी क्योंकि बैंक प्रत्येक खाताधारक की इतनी ही राशि का बीमा करवाता है। वैसे अब इस राशि को दुगुना करने पर विचार किया जा रहा है।

किन खातों पर मिलेगा धन?

यह बीमा तमाम खातों जैसे सेविंग, करेंट, रेकरिंग, फिक्स्ड इत्यादि के लिए होता है। हालांकि विदेशी सरकारों की जमाओं, केंद्र या राज्य सरकार की जमाओं, अंतर-बैंक जमाओं इत्यादि पर यह बीमा लागू नहीं होता।

लेखिका इन्वेस्टमेंट एनालिस्ट हैं।